RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जून
11
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

खाद्य सुरक्षा के लिए कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाना / Empowering Women in Agriculture for Food Security

संदर्भ:

"वर्ष 2026 को **'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष'** के रूप में मनाया जाएगा – एक ऐसा महत्वपूर्ण कदम जो महिलाओं की भूमिका को कृषि क्षेत्र में सम्मान और पहचान देने के लिए उठाया गया है। इस वर्ष का मुख्य उद्देश्य है - **मजबूत और सतत (sustainable) कृषि प्रणाली** को बढ़ावा देना और महिला किसानों को समान अधिकार व अवसर प्रदान करना। यह पहल न केवल कृषि के विकास को दिशा देगी, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी एक बड़ा बदलाव लेकर आएगी।"

घोषणा का उद्देश्य:

संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2026 को **"अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष"** (International Year of the Woman Farmer) घोषित किया है, ताकि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका को वैश्विक स्तर पर मान्यता दी जा सके।

मुख्य उद्देश्य:

कृषि में महिलाओं की अहम भागीदारी को पहचान देना:

- विकासशील देशों में महिलाओं का योगदान **60–80% खाद्य उत्पादन** में है।
- दक्षिण एशिया में कृषि श्रमिक बल का **लगभग 39% महिलाएं** हैं।

संरचनात्मक बाधाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना:

- महिलाओं को भूमि स्वामित्व, बाजार तक पहुंच, और क्रेडिट उपलब्धता में बाधाओं का सामना करना पड़ता है।
- भारत में **केवल 14% कृषि भूमि की मालिक महिलाएं** हैं, जिससे वे ऋण व सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पातीं।

लैंगिक समानता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना: समावेशी नीतियों, तकनीकी पहुंच और स्वयं सहायता समूहों में भागीदारी के माध्यम से **लैंगिक रूप से रूपांतरित कृषि विकास** को प्रोत्साहित करना।

महिला कृषकों के लिए संस्थागत समर्थन और जलवायु अनुकूलन प्रयास-

प्रमुख सरकारी पहलें:

- भारत सरकार ने *महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (MKSP)* के माध्यम से महिलाओं को कृषि में कौशल विकास और संसाधनों तक पहुँच प्रदान करने की दिशा में कदम उठाया है।
- *कृषि यंत्रीकरण पर उप मिशन* के अंतर्गत महिलाओं को कृषि यंत्रों पर सब्सिडी दी जाती है।
- *राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन* के कुल बजट का 30% हिस्सा महिला किसानों के लिए आरक्षित किया गया है।

इन पहलों का उद्देश्य:

- कृषि क्षेत्र में लैंगिक असमानता को कम करना।
- महिलाओं को ऋण, तकनीक, इनपुट और स्थायी कृषि पद्धतियों तक सुलभता देना।

चुनौतियाँ: इन कार्यक्रमों की सफलता इनकी पहुँच, क्रियान्वयन की गुणवत्ता और अनुकूल परिवेश पर निर्भर करती है।

जलवायु परिवर्तन और लैंगिक संवेदनशीलता:

- जलवायु परिवर्तन ने महिलाओं की समस्याओं को और बढ़ा दिया है, विशेषकर असम जैसे बाढ़-प्रवण राज्यों में।

ENACT परियोजना (WFP, असम सरकार और नार्वे सरकार द्वारा समर्थित) के अंतर्गत:

- जलवायु सहनशील फसलें और विविध आजीविका के विकल्पों को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- 300 से अधिक महिला किसानों को मोबाइल के माध्यम से साप्ताहिक मौसम और कृषि सलाह दी जा रही है।
- *Climate Adaptation Information Centres* के ज़रिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और सामुदायिक बैठकों से ज्ञान साझा किया जा रहा है।

आगे का रास्ता:

साझेदारी और व्यापक समाधान-

- ENACT परियोजना बहु-हितधारक सहयोग की शक्ति को दर्शाती है।
- इसमें राज्य विभागों, मौसम संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों और ग्रामीण आजीविका मिशनों की भागीदारी है।
- यह महिलाओं की कृषि संबंधी असुरक्षाओं को दूर करने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाती है।
- स्मार्ट बीज उत्पादन प्रणाली, बाजार से जुड़ाव और पोषक तत्वों से भरपूर स्थानीय किस्मों की खेती को बढ़ावा देती है।

हींग की खेती / Asafoetida (Heeng) Cultivation

संदर्भ:

28 मई 2025 को सीएसआईआर (CSIR) ने पालमपुर, हिमाचल प्रदेश में **हींग** के पहले पुष्पन और बीज सेट की सफल रिपोर्ट दी।

- यह ऐतिहासिक उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि हींग की खेती अब भारत में भी संभव है। ज्ञात हो कि भारत लंबे समय तक हींग के लिए पूरी तरह से आयात पर निर्भर था। इस स्थिति को बदलने के लिए सरकार ने पिछले दशक की शुरुआत में एक राष्ट्रीय पहल शुरू की थी, जिसमें पालमपुर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी (IHBT) ने नेतृत्व किया।
- इस पहल का उद्देश्य देश में हींग की स्वदेशी खेती को प्रोत्साहित करना और आयात पर निर्भरता को समाप्त करना था।

File photo of saplings of Ferula assa-foetida grown by CSIR-IHBT scientists.

हींग (Asafoetida): भारत में स्वदेशी खेती की ओर एक महत्वपूर्ण कदम-

- एक बहुवर्षीय शाकीय पौधा है, जो **Umbelliferae** परिवार से संबंधित है।
- **जड़ से प्राप्त ओलियो-गम रेजिन** को ही मसाले के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- पौधा आमतौर पर **5 वर्षों बाद रेजिन देना शुरू करता है**।

उपयुक्त जलवायु व स्थलाकृतिक आवश्यकताएँ:

- **जलवायु:** ठंडी और शुष्क (cold-arid) परिस्थितियाँ अनुकूल होती हैं।
- **मिट्टी:** बलुई, अच्छी जलनिकासी वाली मिट्टी व कम नमी उपयुक्त।
- **वर्षा:**
  - आदर्श वार्षिक वर्षा: **200 मिमी से कम**,
  - अधिकतम सहनीय वर्षा: **300 मिमी (भारतीय हिमालयी क्षेत्र में)**।
- **तापमान:**
  - आदर्श: **10–20°C**,
  - अधिकतम सहनशील: **40°C**,
  - न्यूनतम सहनशील: **–4°C**।
- ठंडी व अत्यधिक शुष्क जलवायु में पौधे निष्क्रिय हो जाते हैं (Dormant phase)।

भारत में उपयुक्त क्षेत्र:

- लाहौल-स्पीति (हिमाचल प्रदेश)
- उत्तरकाशी (उत्तराखंड) ये ऊँचाई वाले अर्ध-शुष्क क्षेत्र हींग की खेती के लिए अनुकूल माने जाते हैं।

महत्त्व व उपयोग:

- भारतीय व्यंजनों में **प्राचीन काल से एक लोकप्रिय मसाला**।
- **औषधीय लाभ:**
  - पाचन, पेट के विकार, ऐंठन,
  - अस्थमा, ब्रोंकाइटिस,
  - मासिक धर्म में अत्यधिक रक्तस्राव व प्रसव पीड़ा में राहत।

भारत में स्थिति:

- भारत **हींग का सबसे बड़ा उपभोक्ता** है।
- लेकिन अब तक भारत में **घरेलू उत्पादन नहीं** होता था।
- हींग का आयात **अफगानिस्तान, ईरान और उज्बेकिस्तान** से किया जाता है।

सरकारी पहल:

- **CSIR-IHBT, पालमपुर (हिमाचल प्रदेश)** के तहत **राष्ट्रीय स्तर पर हींग की स्वदेशी खेती को बढ़ावा** देने की पहल।
- **बीजों का आयात:** पहले ईरान से, फिर अफगानिस्तान
- ICAR-NBPGR (नई दिल्ली) से आयात और क्वारंटीन अनुमति प्राप्त की गई।
- **प्रयोगात्मक खेती:**
  - IHBT पालमपुर और
  - रिबलिंग (लाहौल-स्पीति) में परीक्षण।
- **हींग जर्मप्लाज्म रिसोर्स सेंटर की स्थापना:**
  - **5 मार्च 2022 को उद्घाटन।**
  - यह केंद्र **संरक्षण, शोध, प्रशिक्षण, बीज उत्पादन एवं पौध प्रवर्धन** का राष्ट्रीय केंद्र है।

निष्कर्ष: हींग की स्वदेशी खेती भारत को आत्मनिर्भर बनाने, विदेशी आयात पर निर्भरता कम करने, और पर्वतीय क्षेत्रों के किसानों को नई आर्थिक दिशा देने में सहायक साबित हो सकती है।

एक्सिओम-4 मिशन / Axiom-4 Mission (Ax-4)

संदर्भ:

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के लिए प्रस्तावित Axiom-4 मिशन का प्रक्षेपण अब 11 जून को किया जाएगा। पहले यह लॉन्च 10 जून को निर्धारित था, लेकिन प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के कारण इसे टाल दिया गया है। इस संबंध में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने जानकारी दी है।

- यह Axiom Space द्वारा संचालित चौथा निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है और इसमें पहली बार एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री **शुभांशु शुक्ला** ISS की यात्रा पर जाएंगे। यह मिशन न केवल भारत के लिए, बल्कि निजी क्षेत्र की मानव अंतरिक्ष उड़ानों के इतिहास में भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

Axiom-4 Mission (Ax-4): निजी अंतरिक्ष यात्रा में भारत की भागीदारी

मिशन का परिचय:

- **Axiom Mission 4 (Ax-4)** एक निजी अंतरिक्ष मिशन है जिसे *Axiom Space* द्वारा आयोजित किया गया है।
- उद्देश्य: **14-दिवसीय मिशन** के लिए एक अंतरराष्ट्रीय दल को **अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** तक पहुँचाना।
- प्रक्षेपण स्थल: *Kennedy Space Center*, फ्लोरिडा (USA)।
- लॉन्च वाहन: **SpaceX का Falcon 9 रॉकेट**।
- यान: **SpaceX Crew Dragon** – उन्नत तकनीक व सुरक्षा से युक्त।

साझेदारी और सहयोग:

- NASA और Axiom Space के सहयोग से आयोजित यह मिशन सरकारी और निजी क्षेत्र के संयुक्त अंतरिक्ष अभियानों का उदाहरण है।

क्रू सदस्य:

1. **पेगी व्हिटसन (Peggy Whitson)** – अनुभवी अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री, ISS की कई यात्राओं का अनुभव।
2. **स्लावोश उज़्नांस्की (Sławosz Uznanski)** – पोलैंड के अंतरिक्ष यात्री; पोलैंड के लिए मील का पत्थर।
3. **तिबोर कापू (Tibor Kapu)** – हंगरी के अंतरिक्ष यात्री।
4. **ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला (Shubhanshu Shukla)** – भारतीय वायुसेना अधिकारी; अंतरराष्ट्रीय क्रू में भारत का प्रतिनिधित्व।

भारत के लिए Axiom-4 मिशन का महत्व:

ISRO-NASA समझौता: Axiom-4 मिशन में भारत की भागीदारी ISRO और NASA के बीच हुए समझौते का परिणाम है, जो Gaganyaan मिशन की तैयारी में मदद करेगा।

वैज्ञानिक प्रयोग: ISRO ने लगभग 10 प्रयोग डिजाइन किए हैं, जैसे:

- माइक्रोग्रैविटी में मांसपेशियों पर प्रभाव
- अंतरिक्ष में स्क्रीन उपयोग के मानसिक व शारीरिक प्रभाव
- अंतरिक्ष यात्रा में बीजों की वृद्धि पर असर

टार्डीग्रेड्स का प्रेषण: ISRO टार्डीग्रेड्स (कठोर पर्यावरण में जीवित रहने वाले सूक्ष्मजीव) को ISS भेजकर यह अध्ययन करेगा कि जीवन अंतरिक्ष में कैसे अनुकूल हो सकता है।

Gaganyaan के लिए अनुभव: Axiom-4 मिशन के प्रयोग Gaganyaan में उन्नत स्तर पर दोहराए जाएंगे, जिससे ISRO को विश्वसनीय डेटा और अनुभव मिलेगा।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री की ऐतिहासिक उड़ान: **शुभांशु शुक्ला**, भारतीय वायुसेना के अधिकारी, अंतरिक्ष में जाने वाले **दूसरे भारतीय** और **ISS पर कदम रखने वाले पहले भारतीय** बनेंगे, जो Gaganyaan टीम को व्यवहारिक अनुभव साझा कर सकेंगे।

Ax-4 पर भारत के प्रमुख वैज्ञानिक प्रयोग:

1. माइक्रोग्रैविटी का मांसपेशियों की कमजोरी पर प्रभाव।
2. शून्य गुरुत्वाकर्षण में कंप्यूटर स्क्रीन का मानव मस्तिष्क व दृष्टि पर प्रभाव।
3. 6 प्रकार के बीजों का अंतरिक्ष में विकास अध्ययन।
4. टार्डिग्रेड (Tardigrade) जीवों का जीवन-सर्वाइवल अध्ययन, जो चरम परिस्थितियों में भी जीवित रह सकते हैं।

विश्व प्रत्यायन दिवस 2025 / World Accreditation Day 2025

संदर्भ:

Quality Council of India (QCI) ने **विश्व प्रत्यायन दिवस 2025** मनाया, जिसका उद्देश्य देशभर में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) को वैश्विक मानकों के अनुरूप सशक्त बनाना और गुणवत्ता आधारित विकास को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर नए रूप में प्रस्तुत NABL पोर्टल का शुभारंभ किया गया और गुणवत्ता समर्पण (Gunvatta Samarpan) पहल की शुरुआत हुई, जो भारत में टिकाऊ और गुणवत्ता-आधारित विकास को गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत की गुणवत्ता अवसंरचना का वैश्विक समन्वय: गुणवत्ता परिषद की पहल- भारत की गुणवत्ता परिषद (Quality Council of India - QCI) ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप देश की गुणवत्ता अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं।

- QCI अपने दो प्रमुख घटक बोर्डों—**नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (NABL)** और **नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर सर्टिफिकेशन बॉडीज (NABCB)**—के माध्यम से वैश्विक निकायों जैसे **ILAC** और **IAF** में भारत का प्रतिनिधित्व करता है।
- इस अंतरराष्ट्रीय सहभागिता से भारतीय प्रमाणन की **वैश्विक विश्वसनीयता** बढ़ती है और भारतीय उत्पादों व सेवाओं की **अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति** सुनिश्चित होती है।

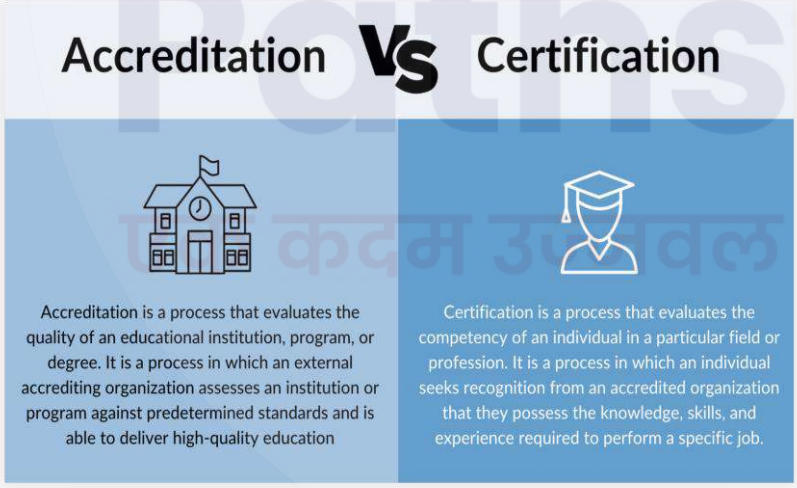

नई NABL पोर्टल का शुभारंभ:

इस कार्यक्रम के दौरान **NABL पोर्टल के नए संस्करण** का उद्घाटन किया गया, **जिसका उद्देश्य है:**

- मान्यता प्रक्रिया को अधिक **सरल और सुव्यवस्थित** बनाना
- **MSME** और प्रयोगशालाओं के लिए डिजिटल अनुपालन्यता को सुलभ बनाना
- सेवा वितरण में **पारदर्शिता और दक्षता** को बढ़ावा देना

भारत की गुणवत्ता अवसंरचना का स्तंभ: Quality Council of India (QCI)-

Quality Council of India (QCI) की स्थापना **1997** में एक **स्वायत्त निकाय** के रूप में की गई थी, जो **उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय** के अंतर्गत कार्य करता है।

QUALITY COUNCIL® OF INDIA
QCI
Creating an Ecosystem for Quality

- इसका मुख्य उद्देश्य **राष्ट्रीय प्रत्ययन ढांचे (National Accreditation Structure - NAS)** का विकास और प्रबंधन करना है, जिससे स्वास्थ्य, शिक्षा और गुणवत्ता संवर्धन जैसे क्षेत्रों में मानक सुनिश्चित किए जा सकें।

प्रमुख विशेषताएं:

- **अध्यक्ष की नियुक्ति प्रधानमंत्री द्वारा** की जाती है, जो उद्योग जगत की सिफारिशों पर आधारित होती है।
- **मुख्य प्रत्ययन निकाय:**
  - **NABCB** – प्रमाणन निकायों के लिए
  - **NABL** – परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए

ये दोनों निकाय सरकार और नियामकों के साथ मिलकर कार्य करते हैं ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि **प्रत्यायित मूल्यांकन निकायों द्वारा प्रदत्त डेटा विश्वसनीय, परीक्षण योग्य और निर्णय योग्य** हो।

उद्योग सहभागिता: QCI में **ASSOCHAM, CII और FICCI** जैसे प्रमुख उद्योग संगठनों का प्रतिनिधित्व शामिल है, जो सरकार और उद्योग के बीच **मजबूत सहभागिता** को दर्शाता है।

मोनाको मरीन सम्मेलन / Monaco Marine Conference

संदर्भ:

विश्व महासागर दिवस के अवसर पर आयोजित **मोनाको मरीन सम्मेलन** में भारत ने एक बार फिर **सस्टेनेबल ब्लू इकॉनमी** यानी सतत नीली अर्थव्यवस्था के प्रति अपनी **दृढ़ प्रतिबद्धता** जताई।

समुद्री सतत शासन हेतु भारत की बड़ी पहल: MSP और SAHAV पोर्टल-

भारत ने मोनाको में आयोजित एक उच्च-स्तरीय *Marine Spatial Planning (MSP)* कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई, जिसका सह-आयोजन भारत और नॉर्वे ने मिलकर किया। भारत का प्रतिनिधित्व *पृथ्वी विज्ञान मंत्री* ने किया, जिन्होंने MSP को **समुद्र शासन के लिए एक प्रमुख वैज्ञानिक उपकरण** के रूप में अपनाने की दिशा में भारत की प्रगति को रेखांकित किया।

प्रमुख बिंदु:

- मंत्री ने बताया कि भारत का *"विज्ञान-आधारित और डेटा-संचालित दृष्टिकोण"* लोगों और प्रकृति दोनों के हित में कार्य करने वाले समुद्री शासन की दिशा में समर्पित है।
- यह कार्यक्रम भारत और नॉर्वे के बीच *मजबूत समुद्री सहयोग* को भी दर्शाता है।
- विश्व महासागर दिवस के अवसर पर भारत ने *SAHAV पोर्टल* लॉन्च किया, जिसे अब *डिजिटल पब्लिक गुड* के रूप में मान्यता प्राप्त है।

SAHAV पोर्टल की विशेषताएँ:

- *GIS-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली* (Decision Support System)
- वास्तविक समय (Real-time) स्थानिक डेटा प्रदान करता है
- नीति निर्माण, अनुसंधान, और समुदाय स्तर की योजना को समर्थन देता है

Marine Spatial Planning (MSP) क्या है?

- यह एक **विज्ञान-आधारित रूपरेखा** है जो निम्नलिखित उद्देश्यों में सहायक है:
  - महासागर संसाधनों का *संतुलित उपयोग*
  - समुद्री जैव विविधता की *रक्षा*
  - तटीय आजीविका की *सुरक्षा*

MSP के तहत भारत में पहल:

- *इंडो-नॉर्वेजियन एकीकृत महासागर अनुसंधान पहल* के अंतर्गत MSP को बढ़ावा दिया गया।
- इसके अंतर्गत *पुडुचेरी और लक्षद्वीप* में *पायलट परियोजनाएं* शुरू की गई हैं, जो तटीय कटाव, मत्स्य पालन, जैव विविधता, पर्यटन और संरक्षण जैसे मुद्दों पर कार्य कर रही हैं।

ब्लू इकोनॉमी (नीली अर्थव्यवस्था) क्या है?

ब्लू इकोनॉमी का आशय है समुद्री संसाधनों का *सतत उपयोग* (sustainable use) – ताकि आर्थिक विकास हो, आजीविका सुधरे और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र (marine ecosystem) की रक्षा हो सके।

भारत का दृष्टिकोण:

- भारत की ब्लू इकोनॉमी नीति का उद्देश्य **आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन** के बीच संतुलन बनाना है।
- यह दृष्टिकोण **संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (SDG-14)** के अनुरूप है, जिसमें महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों के संरक्षण और सतत उपयोग को बढ़ावा दिया गया है।

भौगोलिक महत्व:

- भारत के पास **11,098 किलोमीटर लंबी तटीय रेखा** है, जो 9 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में फैली है।
- भारत का **विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ)** लगभग *20.2 लाख वर्ग किलोमीटर* में फैला हुआ है।
- यह भारत को समुद्री संसाधनों के दोहन व विकास में वैश्विक अग्रणी बना सकता है।

प्रमुख नीतियाँ और पहलें:

1. राष्ट्रीय ब्लू इकोनॉमी नीति रूपरेखा (National Blue Economy Policy Framework):

- प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा तैयार की गई।
- इसके अंतर्गत **समुद्री मत्स्य पालन, तटीय पर्यटन** और **महासागर आधारित उद्योगों** को प्राथमिकता दी गई है।

2. प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY):

- यह योजना **मत्स्य पालन और जलीय कृषि (aquaculture)** को बढ़ावा देने हेतु शुरू की गई है।
- यह योजना भारत की ब्लू इकोनॉमी को सशक्त बनाने में सहायक है

भारत में रक्षा उत्पादन / Defence Production in India

संदर्भ:

भारत अब भी अपने रक्षा उपकरणों और हथियारों का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, लेकिन हालिया सरकारी आंकड़ों के अनुसार **घरेलू रक्षा निर्माण में उल्लेखनीय बढ़ोतरी** देखी गई है।

- **ऑपरेशन सिंदूर** के सफल निष्पादन के बाद देश में **स्वदेशी रक्षा क्षमताओं की प्रभावशीलता** और उन पर **विश्वास** को लेकर चर्चाएं तेज हुई हैं। इससे **आत्मनिर्भर भारत अभियान** को बल मिला है और रक्षा क्षेत्र में **देश के तकनीकी और औद्योगिक विकास** की नई संभावनाएं खुली हैं।

भारत में रक्षा उत्पादन में वृद्धि

वित्त वर्ष 2023-24 (FY24) की उपलब्धियाँ:

- भारत का **रक्षा उत्पादन ₹1.3 लाख करोड़** तक पहुँच गया – यह अब तक का *रिकॉर्ड स्तर* है।
- यह वित्त वर्ष 2022-23 (FY23) की तुलना में **17% अधिक** है।
- लगातार **दूसरे वर्ष ₹1 लाख करोड़** का आंकड़ा पार किया गया।
- FY22 से रक्षा उत्पादन **दोहरे अंकों (double-digit)** में वृद्धि दर्ज कर रहा है।

वित्त वर्ष 2024-25 (FY25) का अब तक का आँकड़ा:

- **दिसंबर 2024 तक ₹90,000 करोड़** का उत्पादन हो चुका है।
- पूरे वर्ष के लिए सरकार ने **₹1.6 लाख करोड़** का लक्ष्य तय किया है।

रक्षा उत्पादन में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भूमिका:

सार्वजनिक क्षेत्र (PSUs):

- रक्षा उत्पादन में **अब भी प्रमुख योगदान** दे रहे हैं।

निजी क्षेत्र (Private Sector):

- FY17 से FY24 तक लगभग **20% हिस्सा** था।
- FY25 में यह **बढ़कर 24%** हो गया है।
- **निर्यात (Export)** में निजी कंपनियाँ अग्रणी हैं – उन्हें अधिक *export authorisation* मिल रहे हैं।

MSME क्षेत्र:

- FY25 में **₹13,000 करोड़ से अधिक** की रक्षा खरीद।
- यह सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य से **दोगुना** है।
- सरकार की **अनिवार्य खरीद नीतियों (compulsory procurement norms)** से सहयोग मिला है।

रक्षा निर्यात (Defence Exports):

- FY23 और FY24 में भारत का **रक्षा निर्यात ₹20,000 करोड़** के पार रहा।
- FY20 की तुलना में **दोगुना** हो चुका है।

2024-25 में रिकॉर्ड रक्षा अनुबंध-

मुख्य आँकड़े:

- **कुल 193 रक्षा अनुबंध** हस्ताक्षरित किए गए।
- इनकी **कुल लागत ₹2,09,050 करोड़** रही – *अब तक का सबसे ऊँचा वार्षिक आंकड़ा।*
- इनमें से **177 अनुबंध घरेलू उद्योग** को दिए गए, जिनका मूल्य **₹1,68,922 करोड़** है।

इसका महत्त्व:

- यह भारत में **स्वदेशी निर्माण** को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- भारतीय कंपनियों को प्राथमिकता मिलने से:
  - **रोज़गार सृजन** में वृद्धि हुई है।
  - **तकनीकी विकास और आत्मनिर्भरता** को बढ़ावा मिला है।

रक्षा औद्योगिक गलियारे (Defence Industrial Corridors)-

स्थापना:

- भारत सरकार ने **2 समर्पित रक्षा औद्योगिक गलियारे** बनाए हैं:
  1. **उत्तर प्रदेश (Uttar Pradesh)**
  2. **तमिलनाडु (Tamil Nadu)**

अब तक की उपलब्धियाँ (फ़रवरी 2025 तक):

- कुल **₹8,658 करोड़ से अधिक निवेश** प्राप्त हुआ।
- **253 समझौता ज्ञापन (MoUs)** पर हस्ताक्षर।
- MoUs की अनुमानित निवेश क्षमता **₹53,439 करोड़**।

भौगोलिक विस्तार: दोनों राज्यों में **11 प्रमुख केंद्र (Nodes)** स्थापित किए गए हैं।

महत्त्वपूर्ण लाभ: यह गलियारे **उन्नत अवसंरचना** और **प्रोत्साहन** प्रदान कर रहे हैं।

- भारत को **"डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब"** के रूप में उभरने में सहायता मिल रही है।

थीटू द्वीप / Thitu Island

संदर्भ:

हाल ही में **दक्षिण चीन सागर** में स्थित **फिलीपीन-नियंत्रित थिटू द्वीप** के पास उथले पानी में एक **चीनी जहाज तूफानी मौसम के कारण फंस गया**। यह घटना उस क्षेत्र में हुई है, जो **विवादित समुद्री सीमा** के तहत आता है। इसके बाद **फिलीपीन सेना को हाई अलर्ट पर रखा गया** है।

थीटू द्वीप (Thitu Island):

Thitu Island, जिसे फिलीपींस में **Pag-asa Island** के नाम से जाना जाता है, **दक्षिण चीन सागर** में स्थित **Spratly Islands** द्वीपसमूह का हिस्सा है। यह द्वीप समुद्री विवादों का एक प्रमुख केंद्र है और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

भौगोलिक स्थिति और प्रशासन:

- थीटू द्वीप, **Spratly Islands** के प्राकृतिक द्वीपों में **दूसरा सबसे बड़ा** है और फिलीपींस द्वारा क जे में लिए गए नौ द्वीपों में **सबसे बड़ा** है।
- फिलीपींस ने 1971 से इस पर प्रशासनिक नियंत्रण रखा है, और 1990 के दशक में यहां **नागरिक बसाहट** भी शुरू हुई।
- इसमें **स्थायी नागरिक जनसंख्या**, एक **स्कूल**, **Rancudo हवाई अड्डा**, **बंदरगाह**, और एक **प्रकाशस्तंभ (lighthouse)** है।

रणनीतिक और विवादित स्थिति:

- यह द्वीप केवल **24–27 किमी** दूर है **चीन के Subi Reef** से, जहाँ एक विशाल **सैन्य अड्डा** स्थित है।
- **चीन, ताइवान और वियतनाम** पूरे Spratly द्वीपसमूह पर दावा करते हैं, जबकि **मलेशिया और फिलीपींस** इसके कुछ हिस्सों पर अधिकार जताते हैं।
- थीटू द्वीप पर **फिलीपीनी मत्स्य गांव** और **सैन्य बल** भी मौजूद हैं, जो फिलीपींस के दावे को सशक्त बनाते हैं।

भाशिनी और क्रिस / BHASHINI and CRIS

संदर्भ:

BHASHINI (भारत भाषा इंटरफेस) और **CRIS** (Centre for Railway Information Systems) ने एक **साझा समझौता (MoU)** पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य भारतीय रेल के लिए **अगली पीढ़ी के बहुभाषी एआई समाधान** विकसित करना है।

सहयोग:

CRIS (Centre for Railway Information Systems) और **BHASHINI** के बीच सहयोग से अब **National Train Enquiry System (NTES)** और **RailMadad** जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर **22 भारतीय भाषाओं** में सेवा उपलब्ध होगी। इस पहल का उद्देश्य देश के करोड़ों नागरिकों को उनकी **मातृभाषा** में **रीयल-टाइम जानकारी और सहायता** प्रदान करना है।

एकीकृत की जा रही प्रमुख भाषिणी तकनीकें:

- **स्वचालित भाषण पहचान (ASR)** – कई भारतीय भाषाओं में **रियल-टाइम वॉइस-टू-टेक्स्ट** रूपांतरण को संभव बनाता है।
- **पाठ-से-पाठ अनुवाद (Text-to-Text Translation)** – रेलवे अपडेट्स व सेवाओं का तुरंत **अनुवाद** करता है।
- **पाठ-से-भाषण (TTS)** – टेक्स्ट को प्राकृतिक आवाज़ में **भाषण में परिवर्तित** करता है।
- **ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (OCR)** – छपी हुई सामग्री को **डिजिटाइज़** कर **स्थानीय भाषाओं में पहचान** करने में सहायक है, जिसका उपयोग कियोस्क और काउंटरों पर किया जाएगा।

पोसन पोया / Poson Poya

संदर्भ:

श्रीलंका में **पोसन पोया** पर्व मनाया जा रहा है, जो **2,000 से अधिक** वर्षों पूर्व **बौद्ध धर्म** के आगमन की स्मृति में आयोजित होता है।

पोसन पोया दिवस:

पोसन पोया श्रीलंका का एक प्रमुख बौद्ध पर्व है, जो देश में **बौद्ध धर्म के आगमन की 2000 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक घटना** को स्मरण करता है। यह पर्व **हर वर्ष जून माह की पूर्णिमा** को मनाया जाता है और **वेसाक के बाद श्रीलंका का दूसरा सबसे बड़ा बौद्ध उत्सव** माना जाता है।

ऐतिहासिक महत्त्व:

- यह दिन उस **ऐतिहासिक क्षण का प्रतीक** है जब **सम्राट अशोक के पुत्र आरहत महिंदा** ने **राजा देवानम्पिय तिस्स** को बौद्ध धर्म में दीक्षित किया।
- यह घटना श्रीलंका में **बौद्ध धर्म के प्रचार** की शुरुआत मानी जाती है।

प्रमुख आयोजन स्थल:

- **मिहिंतले की पहाड़ी** और **अनुराधापुर का प्राचीन बौद्ध विहार परिसर**, इस उत्सव के **मुख्य केंद्र** होते हैं जहाँ **हजारों श्रद्धालु एकत्र** होते हैं।
- श्रद्धालु **श्वेत वस्त्र** धारण कर मिहिंतले की सीढ़ियाँ चढ़ते हैं और उसी **शिला शिखर पर ध्यान लगाते हैं**, जहाँ आरहत महिंदा ने उपदेश दिए थे।

उत्सव की विशेषताएँ:

- **धार्मिक अनुष्ठान, बोधि पूजन, सिल अभियान,** और **दानशालाएँ (Dansalas)**—जहाँ श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन एवं पेय वितरित किए जाते हैं।
- पूरे द्वीप में **सड़कें, घर, मंदिर एवं सार्वजनिक स्थल** खूबसूरती से **कागज़ी लालटनों और पंडालों** से सजाए जाते हैं, जिन पर **भगवान बुद्ध के जीवन प्रसंग** दर्शाए जाते हैं।
- यह पर्व न केवल **धार्मिक आस्था** का प्रतीक है, बल्कि **राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक गर्व** का भी प्रतीक बन गया है।

बिरसा मुंडा / Birsa munda

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को स्वतंत्रता संग्राम के महानायक भगवान बिरसा मुंडा को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनका त्याग और समर्पण देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

बिरसा मुंडा: जनजातीय वीर योद्धा और स्वतंत्रता सेनानी

बिरसा मुंडा (1875-1900) भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रमुख **आदिवासी नेता** थे, जो **झारखंड** के **छोटानागपुर क्षेत्र** से संबंध रखते थे। वे **मुंडा जनजाति** से थे और उन्होंने **ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनजातीय विद्रोह** का नेतृत्व किया, जिसे **उलगुलान (महाविद्रोह)** के नाम से जाना जाता है।

मुख्य योगदान:

- अंग्रेजों द्वारा **जमीन हड़पने** और **बंधुआ मजदूरी** के खिलाफ जनजातीयों को संगठित किया।
- **मुंडा राज** के नाम से आदिवासियों को एकजुट कर **गोरिल्ला युद्ध** की रणनीति अपनाई।
- **वन कानूनों** और **अन्यायपूर्ण करों** का विरोध किया, जिससे आदिवासियों के जीवन पर असर पड़ रहा था।
- उनकी संघर्षशीलता के कारण **छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908** पास हुआ, जिसने आदिवासियों की जमीन की रक्षा की।

सामाजिक और धार्मिक भूमिका:

- उन्हें उनके अनुयायी **"धरती आबा"** (धरती के पिता) और **"बिरसा भगवान"** के रूप में पूजते हैं।
- उन्होंने **बिरसाइत धर्म** की स्थापना की, जो आदिवासी परंपराओं, **एकेश्वरवाद** और धार्मिक पुनर्जागरण पर आधारित था।
- उन्होंने अपने लोगों को **परंपराओं की ओर लौटने** और अपनी **पहचान को बनाए रखने** की प्रेरणा दी।

बिरसा मुंडा का निधन मात्र **25 वर्ष की आयु में, 9 जून 1900** को हुआ, लेकिन उनका जीवन आज भी **आदिवासी गौरव, संघर्ष और आत्मसम्मान** का प्रतीक बना हुआ है।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

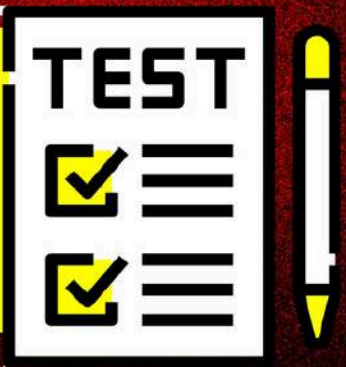

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

CALL CENTRE

787158882

HOW MAY I HELP YOU

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: